भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3151
दिनांक 06 अगस्त, 2026

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रियायती एलपीजी सिलेंडरों की रिफिल

†3151. **सुश्री सयानी घोषः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान किए गए अस्थायी परिवर्तनों के उपरांत प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए प्रति वर्ष उपलब्ध रियायती तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडरों की संख्या को पुनः बहाल कर दिया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए प्रतिवर्ष उपलब्ध रियायती एलपीजी सिलेंडर रिफिलों की संख्या क्या है;

(ग) गत पाँच वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के कुल लाभार्थियों, सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या तथा वार्षिक रिफिल दर वर्ष-वार क्या है;

(घ) क्या सरकार ने रियायती एलपीजी रिफिलों वाले परिवारों का स्वास्थ्य, खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन को अपनाने तथा पारंपरिक ईंधनों के उपयोग में कमी पर पड़े प्रभाव का कोई आकलन किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार रियायती एलपीजी रिफिलों की संख्या बढ़ाने अथवा निम्न आय वर्ग के परिवारों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने का है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ङ):प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) मई, 2016 में देश भर में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को जमानत मुक्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। विगत पांच वर्षों के लिए पीएमयूवाई कनेक्शन (प्रत्येक वित्त वर्ष के 31 मार्च तक) और प्रति कनेक्शन खपत का वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार है:

वित्त वर्ष	प्रति कनेक्शन खपत (14.2 किग्रा रिफिल/उपभोक्ता/वर्ष के रूप में)	कुल पीएमयूवाई कनेक्शन (करोड़ में)
2021-22	3.68	8.99
2022-23	3.71	9.56
2023-24	3.95	10.33
2024-25	4.47	10.33
2025-26	4.71	10.58

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल

घरेलू एलपीजी का खुदरा बिक्री मूल्य जून 2026 से 942 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर (दिल्ली) पर बनाए रखा गया है, जिसमें जून 2026 में 700 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर और जुलाई 2026 के दौरान 500 रुपए प्रति सिलेंडर से अधिक की राजसहायता (अल्प-वसूली) की गई थी। अगस्त 2026 के महीने के लिए भी, 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर के आरएसपी पर 188 रुपए प्रति सिलेंडर की अंतर्निहित राजसहायता दी गई है। 10.5 करोड़ से अधिक पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए, 300 रुपए प्रति सिलेंडर की लक्षित राजसहायता के बाद, प्रभावी मूल्य केवल 642 रुपए प्रति सिलेंडर (प्रति वर्ष 4 रिफिल तक) है।

सरकार देश में घरों को सस्ते मूल्यों पर घरेलू एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है, जिसके लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 में ओएमसीज को 22,000 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया है और वित्त वर्ष 2025-26 और वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान 30,000 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। इस मुआवजे के भुगतान के बाद भी, 30 जून 2026 तक घरेलू एलपीजी पर पीएसयू ओएमसी की संचित अल्प-वसूली 51,000 करोड़ रुपए से अधिक थी।

वित्त वर्ष 2025-26 के रिफिल खपत के आंकड़ों के आकलन के आधार पर, यह देखा गया है कि पीएमयूवाई लाभार्थी परिवारों में रिफिल खपत पैटर्न अलग-अलग होता है, जिसमें लाभार्थियों का एक बड़ा अनुपात वार्षिक चार राजसहायता वाले रिफिल का लाभ उठाता है। तदनुसार, सरकार ने पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के 4 रिफिल (और 5 किलोग्राम कनेक्शन के लिए यथाआनुपातिक) तक वार्षिक राजसहायता वाले रिफिल की अधिकतम सीमा तय की है।

पीएमयूवाई का ग्रामीण परिवारों, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में महिलाओं और परिवारों के जीवन पर भोजन पकाने के पारंपरिक तरीकों में (जिसमें लकड़ी, गोबर और फसल के अवशेषों जैसे ठोस ईंधन को जलाना शामिल है) बदलाव सहित महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, स्वच्छ ईंधन के उपयोग से घर के अंदर वायु प्रदूषण कम होता है, जिससे श्वसन स्वास्थ्य विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों में जो पारंपरिक रूप से घरेलू धुएं के संपर्क में आते हैं, में सुधार होता है।

नीति आयोग की हाल ही में पीएमयूवाई मूल्यांकन रिपोर्ट (अप्रैल 2026) के अनुसार, 86.59 प्रतिशत पीएमयूवाई परिवार प्रमुख प्राथमिक भोजन पकाने के ईंधन के रूप में एलपीजी का उपयोग करते हैं, जो स्वच्छ भोजन पकाने की ऊर्जा को व्यापक रूप से अपनाने को दर्शाता है। मूल्यांकन में यह भी पाया गया कि सर्वेक्षण किए गए पीएमयूवाई लाभार्थियों में से 74.27 प्रतिशत ने एलपीजी को अपनाने के बाद इनडोर वायु प्रदूषण में कमी की सूचना दी। इसके अलावा, लाभार्थियों के एक बड़े हिस्से ने खांसी और सांस लेने में कमी, आंखों की जलन और धुएं से साँस लेने में कमी के साथ-साथ सिरदर्द और चक्कर आने में गिरावट की सूचना दी, जो एलपीजी के उपयोग से जुड़े सकारात्मक स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालता है।

ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) और आईआईटी कानपुर द्वारा अलग-अलग मूल्यांकन अध्ययनों ने भी पीएमयूवाई के सकारात्मक पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर प्रकाश डाला है। उनके निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि पीएमयूवाई ने परिवेशी और घरेलू वायु प्रदूषण दोनों को कम करने में योगदान दिया है। छह राज्यों में आईआईटी कानपुर के मूल्यांकन में आगे पाया गया कि भोजन पकाने के दौरान घर के अंदर की वायु गुणवत्ता एलपीजी का उपयोग करने वाले घरों की तुलना में पारंपरिक चूल्हे पर निर्भर घरों में लगभग दोगुनी थी, जो विशेष रूप से प्राथमिक रसोइयों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ का प्रदर्शन करती है।

****